सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

द्वारा

ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण केन्द्र के अन्तर्गत प्रस्तावित

ज्योतिष एवं कुंडली विज्ञान पाठ्यक्रम

समन्वयक

प्रो0 अमित कुमार शुक्ल

अध्यक्ष– ज्योतिषविभाग

सह–समन्वयक

डॉ. मधुसूदन मिश्र

सहायक आचार्य– ज्योतिषविभाग

पाठ्यक्रम उद्देश्य

ज्योतिष एंव कुंडली विज्ञान पाठ्यक्रम के निम्नलिखित उद्देश्य हैं –

1– ज्योतिष शास्त्र के प्रति जन जागरूकता उत्पन्न करना।

2– ज्योतिष शास्त्र के व्यावहारिक पक्षों से जन सामान्य को लाभान्वित करना।

3– ज्योतिष शास्त्र के प्रति विद्यमान भ्रामक अवधारणाओं को दूर करना।

4– ज्योतिष शास्त्र के वैज्ञानिक पक्षों को भारतीय ज्ञान परम्परा के अनुरूप विश्व पटल पर स्थापित करना।

पाठ्यक्रम संरचना

ज्योतिष एंव कुंडली विज्ञान विषय के अन्तर्गत–

1– त्रैमासिक, षाण्मासिक, एवं वार्षिक पाठ्यक्रम संचालित होंगे।

2– त्रैमासिक एंव षाण्मासिक प्रमाण पत्रीय पाठ्यक्रम होंगे।

3– वार्षिक पाठ्यक्रम डिप्लोमा पाठयक्रम होगा।

4– त्रैमासिक, षाण्मासिक, एवं वार्षिक पाठ्यक्रम षाण्मासिक डिप्लोमा में क्रमशः कुल 45, 90, एवं 180 कालांश होंगे।

5– पाठ्यक्रम में कालांश की अवधि एक घंटे की होगी।

6– प्रत्येक पाठ्यक्रम में 04 पत्र होंगें ।

7– सप्ताह में पांच कार्यदिवसों में सांयकाल निर्धारित समयानुसार कक्षायें ऑनलाइन प्रचलित होंगी।

।। वार्षिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम।।

(One year Diploma Course)

प्रथम–पत्र (ज्योतिषशास्त्र का परिचय एवं कुण्डली निर्माण)

क्रेडिट –02

पूर्णांक –100

उत्तीर्णांक –36

शीर्षक	पाठ्य विषयवस्तु	कालांश (घंटों में)
ज्योतिष शास्त्र का परिचय	➢ ज्योतिष शास्त्र का परिचय, ➢ ज्योतिष शास्त्र के भेद ➢ वास्तु, प्रश्न, मुहूर्त्त का परिचय, ➢ रमल, अंगलक्षण, हस्तरेखा विचार ➢ स्वप्न, शकुन, एवं तंत्र विचार, ➢ ज्योतिष शास्त्र का ऐतिहासिक विकासक्रम ➢ ज्योतिषशास्त्र के प्रमुख आचार्यों का परिचय।	15
पंचांग परिचय	➢ पंचांग परिचय, ➢ तिथि परिचय, ➢ तिथियों के भेद ➢ वार परिचय एवं निर्धारण, ➢ नक्षत्र परिचय एवं भेद, ➢ योग परिचय एवं भेद ➢ करण परिचय एवं भेद, ➢ विविध शक एवं संवत् विचार, ➢ संवत्सर विचार ➢ ऋतु, अयन, गोल, पक्ष विचार आदि, ➢ विविध कालमान विचार।	12

कुण्डली निर्माण विधि	➢ कुण्डली निर्माण प्रविधि, ➢ इष्टकाल ज्ञान ➢ भयात– भभोग साधन विधि, ➢ स्पष्ट चन्द्र साधन विधि, ➢ पलभा एवं चरखंड ज्ञान, ➢ स्वदेशोदय साधन विधि, ➢ अयनांश साधन विधि, ➢ लग्नसाधन विधि, ➢ नतकाल साधन विधि, ➢ दशमलग्नसाधनविधि, ➢ द्वादश भाव साधन, ➢ षडवर्गसाधन विधि, ➢ विंशोत्तरी महादशा ➢ अर्न्तदशा ज्ञान।	18

द्वितीय–पत्र (फलादेश विधि एवं विविध योग)

क्रेडिट –02

पूर्णांक –100

उत्तीर्णांक –36

शीर्षक	पाठ्य विषयवस्तु	कालांश (घंटों में)
फलादेश के विविध सिद्धान्त एवं योग	➢ फलादेश के प्रमुख सिद्धान्तों का परिचय, ➢ द्वादश भाव विचार, ➢ आर्युदाय विचार, ➢ अरिष्ट विचार, ➢ शासकीय सेवा विचार, ➢ व्यवसाय उन्नति विचार, ➢ राजयोग ➢ बालारिष्ट ➢ महापुरूष योग ➢ विविध महापुरूषों के जातकों का प्रायोगिक विचार, ➢ मूक योग ➢ आजीविका ➢ प्रशासनिक सेवा योग विचार ।	20
विविध समसामयिक योग	➢ आजीविका विचार, ➢ रोग विचार, ➢ संतति विचार, ➢ न्यायाधीश योग विचार, ➢ अर्थशास्त्री योग विचार, ➢ वैज्ञानिक योग विचार, ➢ रक्षा सेवा योग विचार, ➢ अभिनेता–अभिनेत्री योग विचार, ➢ लक्ष्मी योग विचार,	20

	➢ विविध योग भंग विचार दुर्योग परिहार एवं शमन विचार।	
योग भंग एवं परिहार	➢ विविध योग भंग विचार ➢ राजयोग भंग ➢ बालारिष्ट भंग ➢ नीचभंग ➢ दुर्योग परिहार एवं शमन विचार।	05

तृतीय–पत्र (मुहूर्त्त एवं मेलापक परिचय)

क्रेडिट –02

पूर्णांक –100

उत्तीर्णांक –36

शीर्षक	पाठ्य विषयवस्तु	कालांश (घंटों में)
मुहूर्त्त विचार	➢ विविध व्यवहारिक मुहूर्त्त विचार, ➢ क्रय–विक्रय मुहूर्त्त, ➢ यात्रा मुहूर्त्त ➢ वाहन क्रय मुहूर्त्त, ➢ गृहारंभ एवं गृहप्रवेश मुहूर्त्त, ➢ नामकरण मुहूर्त्त विचार ➢ अन्नप्राशन मुहूर्त्त विचार, ➢ चूडाकरण मुहूर्त्त, ➢ यज्ञोपवीत मुहूर्त्त ➢ अग्निवास मुहूर्त्त ➢ बीजवपन मुहूर्त्त	20
मेलापक विचार	➢ विवाह मेलापक परिचय ➢ विवाह मुहूर्त्त विचार, ➢ अष्टकूट मेलापक विचार, ➢ नाडी दोष एवं परिहार विचार ➢ विवाह में लग्न शुद्धि विचार ➢ दश दोष विचार ➢ होलाष्टक विचार ➢ लग्नशुद्धि विचार	15
भौम दोष एवं परिहार विचार	➢ मंगलदोष विचार, ➢ मंगलदोष परिहार विचार, ➢ विवाह में विविध दोष विचार एवं परिहार।	10

चतुर्थ पत्र (प्रश्न एवं गोचर विचार तथा विविध वैज्ञानिक पक्ष)

क्रेडिट –02

पूर्णांक –100

उत्तीर्णांक –36

शीर्षक	पाठ्य विषयवस्तु	कालांश (घंटों में)
कुण्डली निर्माण विधि	➢ प्रश्न विचार, ➢ वर्ष कुंडली विचार, ➢ ताजिक योग विचार, ➢ ताजिक मतानुसार ग्रहदृष्टि, ➢ सहम विचार, ➢ सहम फल विचार, ➢ गमनागमन विचार, ➢ कार्यसिद्धि योग विचार, ➢ इकवालादि षोडश योग ➢ मुंथा विचार, ➢ प्रश्न द्वारा जय एवं पराजय विचार, ➢ स्वर द्वारा रोग परिज्ञान, ➢ गर्भ विचार, ➢ नष्ट वस्तु प्राप्ति विचार, ➢ रोग मुक्ति विचार ।	20
गोचर विचार	➢ गोचर द्वारा द्वादश भाव विचार, ➢ विविध गोचर एवं प्रश्न द्वारा विचारणीय समसामयिक प्रश्न ➢ गोचरजन्य अशुभ योगों का ज्योतिषीय निदान	10
परिहार विचार	➢ ग्रहदोष शांति विचार ➢ रत्न विचार ➢ विविध धर्मशास्त्रीय विचार ➢ विविध वैदिक उपचार	05

ज्योतिष शास्त्र के विविध वैज्ञानिक पक्ष	➢ ज्योतिष एवं चिकित्सा विज्ञान ➢ ज्योतिष एवं कृषिविज्ञान ➢ ज्योतिष एवं पर्यावरण विज्ञान ➢ वृष्टि विज्ञान ➢ वास्तु विज्ञान ➢ ज्योतिषशास्त्र के विविध वैज्ञानिक पक्ष	10

सहायक एवं सन्दर्भ ग्रन्थ –

1.मुहूर्त्तचिंतामणि

2.भारतीय ज्योतिष

3.भारतीय कुंडली विज्ञान

4.लघुजातकम्

5.जातकालंकार

6.जातकपारिजात

7.ताजिकनीलकंठी

8.षट्पंचाशिका

9.जातकतत्वम्

10. सूर्यसिद्धान्त